SSC CHSL 2022





HISTORY

दिल्ली सल्तनत





गुळाम वंश



LIVE | 06:30 PM

BY ASHUTOSH MAHENDRAS



UPCOMING ONLINE BATCHES





www.mahendras.org • 🗘 7052477777/7052577777



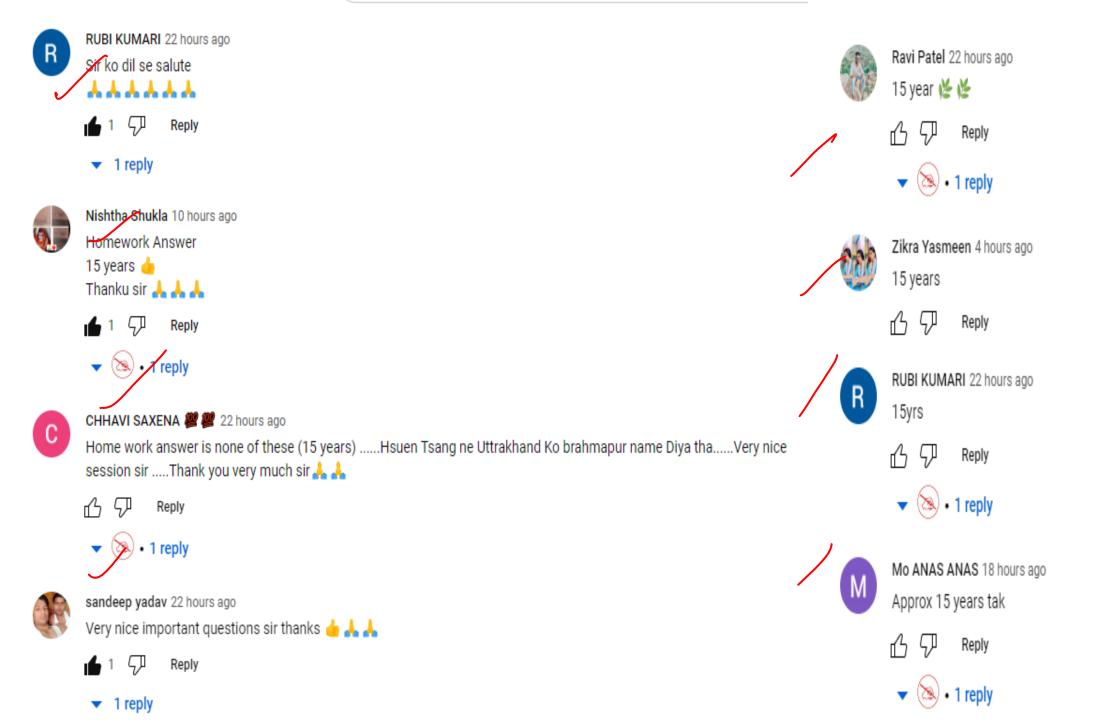


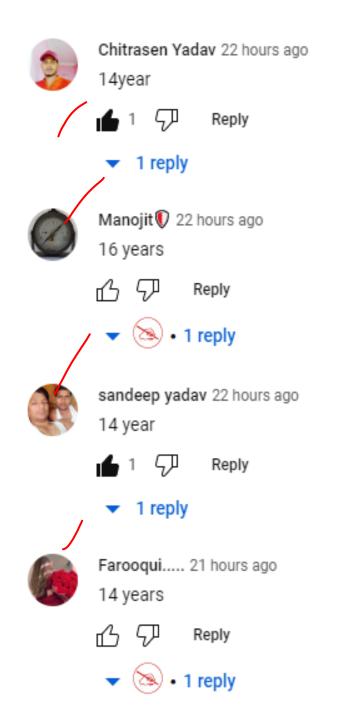


- A. 12
- B. 13
- C. 14
- 1). उपरोक्त में से कोई नहीं



- A. 12
- B. 13
- C. 14
- D. None of the Above







mr. dileepkumar 22 hours ago (edited)

41 year 606 se 647 esvhi tak



▼ 1 reply



Satyam Jha 22 hours ago

Answer d hoga 15 years ta raha tha India ma



▼ 1 reply



Surbhi Sinha 20 hours ago

15 years



▼ 1 reply



Suruchi Jha 22 hours ago

14 years















दिल्ली सल्तनत/ Delhi Sultanate

	(1206-1526)	
Sl. No.	राजवंश/ Dynasty	शासनकाल/ Reign
1	गुलाम वंश /Slave dynasty	1206-1290
2/	खिलजी वंश /Khilji dynasty	1290-1320
3	तुगलक वंश /Tughlaq dynasty	1320-1414
<u>/4</u>	सैय्यद वंश /Sayyid dynasty	1414-1451
UŠ	लोदी वंश /Lodi dynasty	1451-1526





दिल्ली सल्तनत/ Delhi Sultanate

(1206-1526)

्रिविल्ली सल्तनत के अंतर्गत 1206 से 1526 तक के इतिहास का अध्ययन किया जाता है, इन 320 वर्षों के इतिहास में 5 वंशों ने शासन किया।

• The history of the Delhi Sultanate is studied from 1206 to 1526, in these 320 years of history, 5 dynasties ruled.





गुलाम वंश Slave Dynasty (1206-1290) • इस वंश को गुलाम वंश या दास वंश इसलिए कहते हैं क्योंकि इस वंश का संस्थापक कृतुबुद्दीन ऐबक मोहम्मद गौरी का गुलाम था इसीलिए इस वंश को दास वंश या गुलाम वंश के नाम से जाना जाता है।

 This dynasty is called slave dynasty because the founder of this dynasty, Qutubuddin Aibak was a slave of Mohammad Ghori, hence this dynasty is known as Das dynasty or slave dynasty.

कुछ विद्वान इसे मामलूक वंश का नाम देते हैं जिसका अर्थ है स्वतंत्र माता-पिता की गुलाम सतान।

• Some scholars refer to it as the Mamluk dynasty, which means slave children of free parents.

SL	शासक Ruler	Period
1	कुतुबुद्दीन ऐबक Qutubuddin Aibak	(1206-1210)
2	आरामशाह Aramshah	(1210)
3	इल्तुतिमश Iltutmish	(1210 - 1236)
4	रजिया सुल्तन Razia Sultan	(1236 – 1240)
5	बहरामशाह Bahramshah	(1240 - 1242)
6	अलाऊद्दीन मसूदशाह Alauddin Masood Shah	(1242-1246)
7	नासिरूद्दीन महमूद Nasiruddin Mahmud	(1246 - 1266)
8	बलबन Balban	(1266-1286)
9	कैकुबाद Kaiqubad	(1286 - 1290)
10	शमशुद्दीन क्यूमर्श Shamshuddin qmarsh	(1290)





कुतुबुद्दीन ऐबक /

Qutubuddin Aibak (1206-1210)

- ऋतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली सल्तनत का पहला सुल्तान था। इसी को ही दिल्ली गुलाम वंश का संस्थापक कहा जाता है, कुतुबुद्दीन ऐबक मोहम्मद गौरी का गुलाम था। जब मोहम्मद गौरी ने भारत में लूटपाट कर के वापिस अफगान गया उसने भारत में अपने दासों को नियुक्त किया जो भारत में उसके नाम से शासन करे।
 - Qutbuddin Aibak was the first Sultan of Delhi Sultanate. This is said to be the founder of Delhi slave dynasty, Qutubuddin Aibak was a slave of Mohammad Ghori. When Mohammad Ghori went back to Afghanistan after looting India, he appointed his slaves in India who would rule India in his name.







Qutubuddin Aibak

(1206-1210)

• राज्यारोहण - मोहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद 25 जून 1206 ई. को कुतुबुद्दीन ऐबक का राज्यारोहण लाहौर में हुआ। उसने लाहौर को ही अपनी राजधानी बनाया था। जब यह स्वतंत्र शासक बना तब यह दासता से मुक्त नहीं था। इसीलिए इतने सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की बल्कि (मिलक) और (सिपहसालार) की उपाधियों के साथ शासन किया।

• Ascension - After the death of Mohammad Ghori, on 25 June 1206 AD, Qutubuddin Aibak ascended the throne in Lahore. He made Lahore his capital. When it became an independent ruler, it was not free from slavery. That is why so many did not hold the title of Sultan but ruled with the titles of Malik and Sipahsalar.





ऐबक की उपाधियां /Titles of Aibak

- 📌 लख्ता या लाखबख्श /Lakhta or Lakhbakhsh
 - हातिमताई /Hatimtai
- क्रान ख्वां /Quran khwan
 - ऐबक के दरबारी विद्वान/ Aibak's court scholar
 - 1. हिसन निजामी/)Hassan Nizami
 - 2. फन-ए-मुदाञ्जिर/ Fan-e-mudabbir

कुतुबुद्दीन ऐबक /

Qutubuddin Aibak

(1206-1210)







- कुतुब मीनार का नाम सूफी (संते ख्वाजा कुतुबुद्दीन बिख्तयार काकी) के नाम पर रखा गया था, इसके लिए आधारशिला कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा रखी गई थी, जबिक इल्तुतिमश ने इसे पूरा किया।
- Qutub Minar was named after the Sufi saint Khwaja Qutubuddin Bakhtiyar Kaki, the foundation stone for it was laid by Qutub-ud-din Aibak, while Iltutmish completed it.

र्कृतुब मीनार/ Qutub Minar







कुतुब मीनार/ Qutub Minar

- कुतुब मीनार की 2 मंजिलों का निर्माण कुतुंबुद्दीन ऐबक ने करवाया जबिक शेष 3 मंजिलों को इल्तुतिमिश ने पूरा किया और इस मीनार के शीर्ष पर बिजली गिर जाने के कारण इसके शीर्ष का पुनर्निर्माण फिरोज शाह तुगलक ने करवाया।
- The construction of 2 storeys of Qutub Minar was done by Qutubuddin Aibak while the remaining 3 storeys were completed by Iltutmish and due to a lightning strike on the top of this tower, its top was rebuilt by Firoz Shah Tughlaq.





निर्माण कार्य /Construction work:

कुतुबुद्दीन ऐबक

Qutubuddin

Aibak

(1206-1210)

कुञ्चत-उल-इस्लाम मस्जिद /Quwwat-ul-Islam Mosque - दिल्ली / Delhi

 $\sqrt{}$

अढ़ाई दिन का झोंपड़ा /Adhai Din ka Jhopra - राजस्थान /Rajasthan

D

1210 ईस्वी में लाहौर में चौगान का खेल खेलते समय घोड़े से गिर जाने के कारण कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु हो गई।

• Qutubuddin Aibak died in 1210 AD due to a fall from a horse while playing the game of Chaugan in Lahore.





कुतुबुद्दीन ऐबक /

Qutubuddin Aibak (1206-1210)

- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद इसके पुत्र आरामशाह को लाहौर की गद्दी पर बैठाया गया है जो कि एक अयोग्य शासक था, इसने केवल 8 महीनों तक शासन किया। 1211 ई. में इल्तुतिमश ने इसे हटाकर खुद शासक बन गया।
- After the death of Qutbuddin Aibak, his son Aramshah was placed on the throne of Lahore, who was an incompetent ruler, who ruled for only 8 months. In 1211 AD, Iltutmish removed it and became the ruler himself.





इल्तुतमिश/

(1211-1236)

Iltutmish



• आरामशाह को गद्दी से हटाने के बाद इल्तुतिमश अगला शासक बना यह कुतुबुद्दीन ऐबक का दामाद और गुलाम था। जो कि कुतुबुद्दीन ऐबक के समय बदायूं का सूबेदार था।

After the removal of Aramshah from the throne, Iltutmish became the next ruler, he was the son-in-law and slave of Qutubuddin Aibak, who was the Subedar of Badaun at the time of Qutbuddin Aibak.

इल्तुतमिश ने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।

• Iltutmish made Delhi his capital.





इल्तुतिमश/

Iltutmish

(1211-1236)

- इल्तुतिमश ने बगदाद के खलीफा से सुल्तान की उपाधि धारण की, इसीलिए इसे दिल्ली सल्तनत का वास्तिवक संस्थापक माना जाता है। जब मंगोल आक्रमणकारी चंगेज खां ने जलालुद्दीन मांगबनीं पर आक्रमण किया था तब जलालुद्दीन मांगबनीं ने इल्तुतिमश से शरण मांगी तो इसने शरण देने से मना कर दिया और चंगेज खां के आक्रमण से अपनी रक्षा की।
- Iltutmish assumed the title of Sultan from the Caliph of Baghdad, hence it is considered the real founder of the Delhi Sultanate. When the Mongol invader Genghis Khan attacked Jalaluddin Mangbani, Jalaluddin Mangbarni sought refuge from Iltutmish, he refused to give shelter and protected himself from the attack of Genghis Khan.





र इसने सल्तनत काल के तीन महत्वपूर्ण अंग -इक्ता, सेना और मुद्रा प्रणाली का गठन किया।

इल्तुतिमश/ Iltutmish

(1211-1236)

• It formed the three important parts of the Sultanate period - the iqta, the army and the currency system.

र्भे हता प्रणाली :- धन के स्थान पर वेतन के रूप में भूमि प्रदान करना ।

- Iqta System: To provide land in the form of salary instead of money.
- सेना :- इल्तुतिमिश्रा ने 40 तुर्क सरदारों का एक सलाहकार परिषद बनाया जिसे तुर्क-ए- चिहलमानी यु दल चालीसा के नाम से जाना जाता था।
- Army :- Iltutmish formed an advisory council of 40 Turk chieftains which was known as Turk-i-Chihalmani or Dal Chalisa.





इल्तुतिमश/

Iltutmish (1211-1236)

• इल्तुतिमश द्वारा प्रचलित सिक्के :

(1. टंका- ग्रेह चांदी का सिक्का था।

2. जीतल - यह तांबे का सिक्का था।

इनमें 1:48 का अनुपात था।

- Coins minted by Iltutmish:
- 1. Tanka- This was a silver coin.
- 2. Jeetal This was a copper coin.

The ratio in these was 1:48.





इल्तुतिमश/

Iltutmish

(1211-1236)

- इल्तुतिमश ने न्याय मांगने के लिए लाल वस्त्र पहनने की परंपरा को चलाया । 1236 ई. में इल्तुतिमश की मृत्यु हो गई । इसने अपने जीवनकाल में ही रिजया सुल्तान को अपना उत्तरिधकारी नियुक्त कर दिया था।
- Iltutmish carried on the tradition of wearing red clothes to seek justice. Iltutmish died in 1236 AD. It had appointed Razia Sultan as his successor during his lifetime.





इल्तुतिमश/ Iltutmish (1211-1236)

- इल्तुतिमश की मृत्यु के बाद 40 सरदारों ने रिजया को शासक ना बनाकर रुकनुद्दीन फिरोज शाह को सुल्तान बनाया, जो कि इल्तुतिमश का सबसे छोटा बेटा था। रिजया ने न्याय के लिए लाल वस्त्र पहनकर जुम्मे के दिन मिस्जिद के आगे जनता के बीच पहुंची और न्याय की मांग की तो जनता के हस्तक्षेप के बाद वह शासिका बनी।
- After the death of Iltutmish, 40 chieftains did not make Razia the ruler and made Ruknuddin Firoz Shah the Sultan, who was the youngest son of Iltutmish. Razia, wearing red clothes for justice, reached the public in front of the mosque on the day of Jummah and demanded justice, then after the intervention of the public, she became the ruler.





रिजया सुल्तान / Razia Sultan

(1236-1240)

रजिया: एक दृष्टि में /(Razia: At a glance)

- रिजया दिल्ली की प्रथम एवं अंतिम महिला सुर्त्तान थी। रिजया ने जमालुद्दीन याकूत को प्रोन्नत करके अमीर-ए आखूर (अश्वशाला का प्रधान) नियुक्त किया।
- Razia was the first and last woman Sultan of Delhi. Razia promoted Jamaluddin Yakut and appointed him as Amir-i Akhur (head of the horse house).







तुर्की अमीरों ने रजिया का जमालुद्दीन याकूत से प्रेम सम्बन्ध का अफवाह फैलाया।

- The Turkish nobles spread rumors of Razia's love affair with Jamaluddin Yakut.
- रिजया तबरिहन्द के सूबेदार अल्तूनिया से पराजित हुई और अंततः दोनों ने विवाह कर लिया। 1240 में कैथल के निकट रिजया एवं अल्तूनिया की हत्या कर दी गई।
- Razia was defeated by Altunia, the Subedar of Tabarhind, and eventually both of them married. Razia and Altunia were killed near Kaithal in 1240.

रजिया सुल्तान /

Razia Sultan

(1236-1240)





बलबन /

Balban

(1266-1286)

• बलबन ईरान का रहने वाला था और उसने अपने दरबार का गठन इरानी परंपरा के अनुसार किया।

Balban was a resident of Iran and he formed his court according to Iranian tradition.

इसने ईरानी त्यौहार नवरोज को मनाना शुरू किया और इसने दरबार में सजदा और पैबोस की परंपरा प्रारंभ की।

• It began to celebrate the Iranian festival of Navroz and introduced the tradition of sajda and pabos in the court.





• इसने अपने आप को पृथ्वी पर नियावत-ए-खुदाई (ईश्वर का प्रतिनिधि) और जिल्ले अल्लाह (ईश्वर की छाया) बताया।

• It described itself as Niyawat-e-Khudai (Representative of God) and Jille Allah (Shadow of God) on earth.

इसने रक्त एवं लौह की नीति अपनाई अर्थात आक्रमण की नीति को अपनाया।

• It adopted the policy of blood and iron i.e. adopted the policy of attack.

बलबन ने दल चालीसा को समाप्त कर दिया।

Balban abolished the Dal Chalisa.

बलबन /

Balban

(1266-1286)





बलबन /

Balban

(1266-1286)



• बलवन के बाद अगला शासक कैकुबार बना जो कि एक अयोग्य शासक था,इसके बाद गुलाम वंश का अंतिम शासक क्युमर्श बना जिसकी हत्या जलालुद्दीन खिलजी ने 1290 ई. से में कर दी।

After Balvan, the next ruler became Kaikubar, who was an inept ruler, after this the last ruler of the slave dynasty became Qumarsh, who was assassinated by Jalaluddin Khilji in 1290 AD.





Q.1 Which was the first Muslim dynasty that ruled India?

भारत पर शासन करने वाला पहला मुस्लिम राजवंश कौन था ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 6 जून, 2019 (I-पाली)

(a) Khalji Dynasty / खिलजी राजवंश

(b) Slave Dynasty / गुलाम राजवंश

(c) Lodhi Dynasty / लोदी राजवंश

(d) Tughluq Dynasty / तुगलक राजवंश







भारत पर शासन करने वाला पहला मुस्लिम राजवंश गुलाम वंश था। गुलाम वंश का शासन 1206 ई. से 1290 ई. तक था।

The first Muslim dynasty to rule India was the Slave dynasty. The rule of the slave dynasty was from 1206 AD to 1290 AD.





Q.2 Which of the following Sultans died while playing Polo or Chaugan?

पोलो या चौगान खेलते समय निम्नलिखित में से किस सुल्तान की मृत्यु हुई ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 6 जून, 2019 (I-पाली)

- (a) Qutb-ud-din Aybak/कृतुबुद्दीन ऐबक (b) Balban / बलवन
 - (c) Iltutmish/ इल्तुतिमश
 - (d) Nasiruddin Muhammad/ नासिरुद्दीन मुहम्मद







सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐवक की मृत्यु चौगान के खेल (आधुनिक पोलो की भांति का एक खेल) में घोड़े से गिरने के दौरान 1210 ई. में हुई थी। उसे लाहौर में दफनाया गया। उसे गुलाम वंश का संस्थापक माना जाता है।

Sultan Qutbuddin Aiwak died in 1210 AD while falling from a horse while playing Chaugan (a game similar to modern polo). He was buried in Lahore. He is considered the founder of the slave dynasty.





Q.3/Who among the following was a slave of Muhammad Ghori? He became the ruler after the death of his master and founded the Slave Dynasty.

निम्नलिखित में से मुहम्मद गोरी का गुलाम कौन था? वह अपने स्वामी की मृत्यु के बाद शासक बना और उसने गुलाम वंश की स्थापना की। S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 6 जून, 2019 (I - पाली)

- (a) Qutb-ud-din Aybak / कुतुब-उद-दीन ऐबक
 - (b) Nasir-ud-din Mahmud / नासिर-उद-दीन महमूद
 - (c) Iltutmish / इल्तुत्मिश
 - (d) Ghiyas-ud din Balban / गियास-उद-दीन बलबन







कुतुब-उद-दीन ऐबक मुहम्मद गोरी का गुलाम था। वह अपने स्वामी की मृत्यु के बाद 1206 ई. में शासक बना और उसने गुलाम वंश की स्थापना की।

• Qutb-ud-din Aibak was a slave of Muhammad Ghori. He became the ruler in 1206 AD after the death of his master and established the slave dynasty.





Q.5 Who was the founder of the Mamluk dynasty in India?

भारत में मामलुक राजवंश के संस्थापक कौन था ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 6 जून, 2019 (I-पाली)

- (a) Razia Sultan / रजिया सुल्तान
- (b) Iltutmish/इल्तुतिमश
- (c) Bakhtiyar Khailji / बिख्तयार खिलजी
- (d) Qutb ud-Din Aibak / कुतुब उद-दीन ऐबक





• 1206 से 1290 ई. तक दिल्ली सल्तनत के सुल्तान गुलाम वंश के सुल्तानों के नाम से विख्यात हुए, जिसका संस्थापक कुतुब उद-दीन ऐबक (कुतुबुद्दीन ऐबक) था। यद्यपि वे एक वंश के नहीं थे परंतु वे सभी तुर्क थे। साथ ही वे स्वतंत्र माता-पिता की संतान थे। अतः इन सुल्तानों को गुलाम वंश के सुल्तान कहने के स्थान पर प्रारंभिक तुर्क सुल्तान या दिल्ली के 'ममलूक सुल्तान' कहना अधिक उपयुक्त है।

• From 1206 to 1290 AD, the Sultans of the Delhi Sultanate became known as the Sultans of the Slave Dynasty, whose founder was Qutb ud-Din Aibak (Qutbuddin Aibak). Although they did not belong to the same dynasty, they were all Turks. Also, he was the child of independent parents. Therefore, instead of calling these sultans the Sultans of the slave dynasty, it is more appropriate to call them the early Turkic Sultans or the 'Mamluk Sultans' of Delhi.





Q.6 Which world heritage site comprises of the tomb of Iltumish?

र्विक्ष विश्व विरासत स्थल में इल्तुतिमश की कब्र है?

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 20 जनवरी, 2017 (I- पाली)

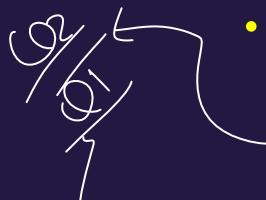
- (a) Humayun's Tomb / हुमायूँ का मकबरा
- (b) Mahabodhi Temple Complex/महाबोधि मंदिर



(d) Red Fort Complex/लाल किला परिसर







- दिल्ली के मेहरौली में स्थित कुतुब परिसर में कुतुबमीनार और कई प्राचीन ऐतिहासिक इमारतों का केंद्र है। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के रूप में घोषित इसमें कई संरचनाएं गुलाम वंश की हैं। गुलाम वंश के शासक इल्तुतिमश का मकबरा भी परिसर के अंदर स्थित है।
 - The Qutub complex located in Mehrauli, Delhi is the center of Qutub Minar and many ancient historical buildings. Declared as a UNESCO World Heritage Site, many structures in it belong to the slave dynasty. The tomb of Iltutmish, the ruler of the Ghulam dynasty, is also located inside the complex.





Q.7 इल्तुतिमश के शासनकाल के दौरान, विशेष गुलामों को सैन्य सेवा के लिए खरीदा जाता था, जिन्हें के नाम से जाना जाता था।

During the reign of Iltutmish, special slaves were bought for military service,

known as _____.

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-1) 13 अगस्त, 2019 (I- पाली)

(a) सामंत/Samant

(b) बंदगान/Bandgan

(c) इक्तादार /qtadar

(d) मुक्तिस/Muktis





- इल्तुतिमश के शासनकाल के दौरान, विशेष गुलामों को सैन्य सेवा के लिए खरीदा जाता था, जिन्हें 'बंदगान' के नाम से जाना जाता था।
- During the reign of Iltutmish, special slaves were purchased for military service, known as 'Bandagan'.







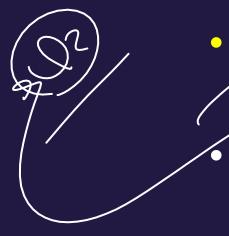
Hauz-i-Sultani is a . .

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-1) 14 अगस्त 2019 (I- पाली)

- (a) मीनार/Tower
- (b) महल/Palace
- e(c) बड़ा जलाशय/Large reservoir
- (d) मस्जिद/Mosque







• हौज - ई-सुल्तानी एक बड़ा जलाशय है, जिसका निर्माण सुल्तान

इल्तुतमिश द्वारा करवाया गया था।

Hauz-e-Sultani is a large reservoir, which was built by Sultan Iltutmish.





Q.9 _____organised his trusted nobles into a group of forty known as Turkan-i-

Chahalgani.

gani.
_ ने अपने विश्वसनीय अमीरों को तुर्कान-ए-चहलगानी के रूप में चालीस के समूह में

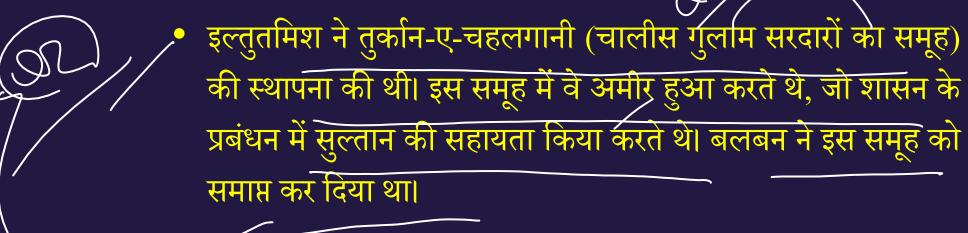
व्यवस्थित किया।

a) Iltutmish/इल्तुतिमश

- (b) Ala-ud-Din Khalji/ अला-उद्-दीन खिलजी
- (c) Qutb-Ud-Din Aybak/कृतुब-उद्-दीन ऐबक
- (d) Balban / बलवन







Turkan-i-Chahalgani (group of forty slave chieftains) was established by Iltutmish. In this group they used to be rich, who used to help the Sultan in managing the administration. Balban had put an end to this group.





- Q.10 During the reign of which of the following Sultans of Delhi was actual power <code>
 enjoyed by Balban?</code>
 - बलवन ने दिल्ली के निम्नलिखित सुल्तानों में से किसके शासनकाल के दौरान वास्तविक शक्तियां प्राप्त की थी?

- (a) Ruknuddin Feroze/रुकनुद्दीन फिरोज
- (b) Aram Shah / आराम शाह
- (c) Nasiruddin Mahmud Shah / नासिरुद्दीन महमूह शाह
- (d) Alauddin Masud / अलाउद्दीन मसूद







- बलबल ने दिल्ली के सुल्तान नासिरुद्दीन महमूह शाह के शासनकाल के दौरान वास्तिवक शक्तियां प्राप्त की। 1249 ई. में बलबन ने अपनी पुत्री का विवाह सुल्तान नासिरुद्दीन से किया। इस अवसर पर उसे उलूग खां' की उपाधि और 'नायब-ए-ममलिकात' का पद दिया गया। 1266 ई. में बलबन दिल्ली की राजगद्दी पर आसीन हुआ था।
- Balbal gained real powers during the reign of Sultan Nasiruddin Mahmuh Shah of Delhi. In 1249 AD, Balban married his daughter to Sultan Nasiruddin. On this occasion, he was given the title of 'Ulugh Khan' and the post of 'Naib-e-Mamlikat'. In 1266 AD, Balban ascended the throne of Delhi.





- Q.11 Who among the following sultans of the Delhi Sultanate appointed Ghiyasuddin Balban as his/ her Prime Minister?
 - र्विल्ली सल्तनत के निम्नलिखित सुल्तानों में से किसने गयासुद्दीन बलबन को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया ?



- (a) Nasiruddin Mahmud / नासिरुद्दीन महमूद
- (b) Shamsuddin Iltutmish / शमसुद्दीन इल्तुतिमश
- (c) Muizuddin Bahram / मुईजुद्दीन बहराम
- (d) Raziyya/रजिया





- दिल्ली सल्तनत के सुल्तान नासिरुद्दीन महमूद ने गयासुद्दीन बलबन को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। बलबन ने 1266 ई. से 1286 ई. तक सुल्तान के रूप में सल्तनत की बागडोर संभाली। उसे उलूग खां के नाम से जाना जाता है। इल्तुतिमश की भांति वह भी इल्बारि तुर्क था।
- Sultan Nasiruddin Mahmud of the Delhi Sultanate appointed Ghiyasuddin Balban as his prime minister. Balban took over the reins of the Sultanate as Sultan from 1266 AD to 1286 AD. He is known as Ulugh Khan. Like Iltutmish, he was also an Ilbari Turk.